पेपर मिलों की मनमानी के खिलाफ गत्ता उद्योग 14 को हड़ताल पर

Posted On February - 7 - 2011

बद्दी, 6 फरवरी (निस)। प्रदेश व देश की पेपर मिलों की मनमानी व कथित धक्केशाही के चलते हिमाचल के सभी गत्ता उद्योग अपने कारखानों में एक दिन की हड़ताल रखेंगे और राज्य तथा केंद्र सरकारों को एक ज्ञापन भी देंगे। हिमाचल प्रदेश गत्ता उद्योग संघ की प्रांतीय बैठक में आम सहमति से यह निर्णय लिया गया, जिसमें बीबीएन के अलावा काला अम्ब, परवाणु, ऊना, सोलन, पावंटा सहिब के उद्यमियों ने भाग लिया।

पेपर के रेट में 5 से 6 रूपये बढ़ोत्तरी एंव स्टीचिंग वायर में 40 प्रतिशत रेट बढ़ाना, मजदूरी, एवं गम में रेट बढ़ाने के कारण अब गत्ता उद्योग अपने ग्राहकों को आपूर्ति करने में असमर्थ हो गया है। पिछले दो महीने से 3-4 रुपये किलो का नुक्सान हो रहा है एवं ग्राहकों ने कोई रेट नहीं बढाया है।

बीबीएन गत्ता उद्योग संघ के महासचिव सुरेंद्र जैन ने बताया कि उपरोक्त तथ्यों के कारण यह तय किया गया है कि आगामी 14 फरवरी को हिमाचल के सभी गत्ता उद्योग अपने कारखानों में पेपर मिल्स की मनमानी के विरोध में उद्योग बंद रखेंगे ओर सभी उद्योगपति इकट्ठे हो कर रोष प्रकट करेगें। यदि फिर भी रेट न बढे तो 21 फरवरी से दो दिन यही कार्यक्रम रहेगा। उन्होंने बताया कि पिछले 28 जनवरी से नार्दर्न पेपर मिल्स एसो. ने अपनी सभी पेपर मिल्स 8 फरवरी तक के लिये बंद कर रखी है तथा बाजार में पेपर की कमी कर दी है, जिससे की रेट को अधिक से अधिक बढ़ाकर गत्ता उत्पादकों की आवाज को दबाया जा सके। अब तो स्थिति यह है कि गत्ता उद्योग में पेपर का स्टॉक लगभग खत्म हो गया है। हिमाचल गत्ता उद्योग संघ के प्रधान सरदाना ने कहा कि यदि हालात सामान्य नहीं हुये तो हम इस समस्या में देश के सभी गत्ता उद्योगों को भी शामिल करेगें।

हिमाचल प्रदेश के प्रांतीय उपप्रधान मुकेश जैन व बीबीएन के महासचिव सुरेन्द्र जैन ने बताया कि उतराखन्ड की लगभग 75 से ज्यादा फैक्ट्री भी हमारे साथ मिल कर इस आन्दोलन में आने को तैयार है। परवाणु इकाई के वाईस प्रेसिडेन्ट गगन कपूर ने हिमाचल सरकार से अनुरोध किया कि हिमाचल में 5-6 पेपर मिल्स को हिमाचल गत्ता उद्योग की मदद करने को कहे।

बैठक में प्रांतीय उपाध्यक्ष मुकेश जैन, राणा, सरदाना, बलदेव गोयल, सहगल, गगन कपूर, सुरेन्द्र जैन, गुप्ता , मनीष एवं काफी सख्या में गत्ता उद्योगपति उपस्थित थे।

हिमाचल ADD COMMENTS